

सरकार से इस पर योजना मांगे और नहीं तो अपनी तरफ से इसके लिए एक स्टडी टीम भेजे और एक मनसुखी योजना तैयार करे ताकि उपजाऊ कृषि भूमि को और इस इलाके में होने वाले सैकड़ों कटाव से बचाया जा सके। यही मेरा आपसे निवेदन है। धन्यवाद।

उपसभाध्यक्ष (श्री अधिक शिरोडकर): श्री नरेश यादव। नहीं है। श्री संजय निरूपम

NEED TO PROVIDE APPROPRIATE SECURITY TO V.I.P.S. IN MAHARASHTRA

श्री संजय निरूपम (महाराष्ट्र): उपसभाध्यक्ष जी, मैं एक बेहद गंभीर प्रश्न की ओर माननीय सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। आप सब जानते हैं कि हमारे देश में बहुदलीय राजनैतिक व्यवस्था है। यहां तरह-तरह के दल हैं। एक दल दूसरे दल के खिलाफ चुनाव लड़ता है और उस चुनाव में हम एक दूसरे के खिलाफ नारे लगाते हैं, भाषण देते हैं। चुनाव के बाद जब रिजल्ट आता है तो किसी दल को सत्ता मिलती है और कोई दल विपक्ष में बैठता है। सत्ता में आने के बाद एक परंपरा है कि विपक्ष में जो नेता महत्वपूर्ण होते हैं, सुरक्षा की दृष्टि से जो संवेदनशील होते हैं, उनकी सुरक्षा के मामलों में कम से कम खिलवाड़ नहीं किया जाता है। इसका ताजा उदाहरण है कि हमारी केन्द्रीय सरकार ने अभी कांग्रेस की अध्यक्ष माननीया श्रीमती सोनिया गांधी की जो सुरक्षा व्यवस्था थी उसको लगभग दस वर्षों के लिए फिर से बढ़ाया है। यह एक अच्छी बात है और इस तरह की परंपरा का पालन होना चाहिए, मगर दुर्भाग्यवश महाराष्ट्र में बिल्कुल इसके विपरीत हो रहा है। महाराष्ट्र में इस समय दो कांग्रेस की एक संयुक्त सरकार है, जो एक डेढ़ महीना पहले सत्ता में आई है। जबसे वह सरकार सत्ता में आई है तब से महाराष्ट्र के जो भी महत्वपूर्ण लोग हैं, वीआईपीज़ हैं, सुरक्षा के दृष्टिकोण से जो संवेदनशील लोग हैं उनकी सुरक्षा के साथ छेड़छाड़ की जा रही है। महाराष्ट्र के गृहमंत्री लगातार बयान दे रहे हैं कि इन वीआईपीज़ की सुरक्षा व्यवस्था को रिव्यू किया जाएगा और रिव्यू करने के पीछे राजनैतिक तौर पर एक भेदभाव की भावना दिख रही है।

उपसभाध्यक्ष जी, विशेषकर के मैं हमारे नेता माननीय शिव सेना प्रमुख माननीय श्री बाला साहब ठाकरे जी की सुरक्षा व्यवस्था की ओर केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ कि उनकी सुरक्षा को लेकर किस तरह से खिलवाड़ किया जा रहा है। उनकी सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के नाम पर वहां के गृहमंत्री लगभग रोज तरह-तरह के कुछ न कुछ बयान दे रहे हैं कि उनकी सुरक्षा कम की जाएगी, उनकी सुरक्षा में जो पुलिसकर्मी हैं उनकी संख्या बहुत ज्यादा है। इस तरह की बातें आ रही हैं। कल परसों मुंबई के एक अखबार में बयान आया है, एक न्यूज आई है, उस न्यूज का हैडिंग है -

"60 cops withdrawn from Thackerays' Security Cover"

"There were surplus policemen for the Sena Chief's police protection."

और, इस न्यूज का सार है -

"The Democratic Front Government has drastically reduced the number of police personnel deployed for Shiv Sena Chief Bal Thackeray's security cover since it was found to be in excess."

उपसभाध्यक्ष जी, मुझे नहीं मालूम कि वह एक्सेस कैसा है और एक्सेस होने का मापदंड क्या है? लेकिन, इस तरह की खबरें छप रही हैं। मुझे नहीं मालूम कि फाइनली इस तरह का कोई निर्णय लिया गया है या नहीं, लेकिन गृह मंत्री जी आज यहां सदन में बैठे हैं, मैं उनका ध्यान इस ओर जरूर चाहूंगा।

महोदय, शिव सेना प्रमुख सुरक्षा की दृष्टि से बहुत ही संवेदनशील राजनेता हैं। चाहे कश्मीर के आतंकवादी हों या पंजाब के आतंकवादी हों या पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आई.एस.आई. के एजेंट हों, आतंकवादी हों या इनके वर्कर हों, जब वह पकड़े जाते हैं और उनके बयान लिए जाते हैं तो पुलिस के हवाले से अखबारों में आता है कि शिव सेना प्रमुख बाला साहब ठाकरे उनकी हिटलिस्ट पर नंबर एक रहे हैं। क्या ऐसे व्यक्ति की सुरक्षा के साथ इस तरह का खिलवाड़ किया जाना चाहिए?

उपसभाध्यक्ष जी, हमारे देश में लगातार आपराधिक और आतंकवादी गतिविधियां बढ़ रही हैं। इस समय माननीय शिव सेना प्रमुख का ही प्रश्न नहीं है, देश में और भी बहुत सारे राजनेता हैं, जिनकी सुरक्षा का प्रश्न गंभीर होता जा रहा है।

इस माहौल में सबसे पहला प्रश्न तो मेरा यह है कि क्या इस सुरक्षा की व्यवस्था पर इस तरह से अखबारों में सार्वजनिक रूप से चर्चा होनी चाहिए? शिव सेना प्रमुख, जिस व्यक्ति के खिलाफ महाराष्ट्र के गृह मंत्री बार-बार बोल रहे हैं, उस व्यक्ति से कभी न कभी वह गृह मंत्री जुड़ा हुआ था और जैसे ही वह व्यक्ति गृह मंत्री बना, उसने सबसे पहला बयान यह दिया कि शिव सेना प्रमुख की सुरक्षा ... (व्यवधान)...

श्री नीलकण्ठ बसु (पश्चिमी बंगाल): प्वाइंट आफ आर्डर, सर।

श्री संजय निरूपम : एक मिनट बसु साहब। शिव सेना प्रमुख की सुरक्षा व्यवस्था ... (व्यवधान)...

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, I am on a point of order. He can discuss the general security question. But he should not refer to specific members of the Cabinet of a State Government. It is not fair ...*(Interruptions)*... He has made his point. I think reference to the State Government *(Interruptions)*...

श्री संजय निरूपम : यही बुनियादी प्रश्न में उठाना चाहता हूँ कि माननीय शिव सेना प्रमुख ...*(व्यवधान)*...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Sir, I would like to draw your kind attention to this thing. Why does he appeal for protection? It is for the Government to respond. It is not for anyone of us to intervene. But let us keep that point at this level. If you would like to use this platform for speaking something against the Government of Maharashtra, then it is not the proper forum to do so. ...*(Interruptions)*... I will also appeal to Shri Advaniji to ensure that this forum is not used to malign any State Government, whatever be the character of the State Government. Security is one aspect. But political misuse of this forum is another.

श्री संजय निरूपम: माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं यही बताना चाहता हूँ कि मैं महाराष्ट्र सरकार की कोई आलोचना नहीं कर रहा हूँ बल्कि उनके निर्णयों की तरफ इस सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ कि जो निर्णय लिए जा रहे हैं वे राजनीति से प्रेरित हैं । ...*(व्यवधान)*...

श्री नीलोत्पल बसु: सवाल यह है कि क्या हम राज्य सरकार के निर्णय के बारे में यहां पर बातचीत कर सकते हैं, क्या रूल्स हमें यह इजाजत देता है ?

श्री संजय निरूपम: मैं कम से कम इस सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ ।

श्री नीलोत्पल बसु: सर, आज महाराष्ट्र के बारे में हो रहा है कल यह किसी भी स्टेट के बारे में हो सकता है और हम जो रूल्स और प्रोसिज़र है, उसके दायरे के बाहर जाकर यहां बातचीत नहीं कर सकते हैं ।

श्री संजय निरूपम: मैं सिर्फ सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ । ...*(व्यवधान)*...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: This is a gross misuse of the Parliamentary System. ...*(Interruptions)*.. He can appeal. ...*(Interruptions)*...

SHRI SANJAY NIRUPAM: That is what I am doing, Sir. *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): I have followed your point.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, he is saying that the decision is politically motivated ...*(Interruptions)*... It is unfortunate. It is uncalled for. ...*(Interruptions)*...

SHRI SANJAY NIRUPAM: It seems like that.

SHRI NILOTPAL BASU: Earlier, he made a statement of fact. We have been very carefully and very cautiously listening to him.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): Please conclude.

श्री संजय निरूपम: उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं कन्क्लूड कर रहा हूँ, मैं सिर्फ यह बताना चाहता हूँ कि शिव सेना प्रमुख, बाला साहेब ठाकरे के इस देश में करोड़ों की संख्या में फालोअर्स हैं और अगर उनकी सुरक्षा के साथ इस तरह से खिलवाड़ किया गया और, ऐसा भगवान न करे, अगर उन्हें कुछ हो गया तो इसकी गंभीर प्रतिक्रिया हो सकती है और इस गंभीर प्रतिक्रिया, इस खतरे को भांपते हुए मैं माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री जी से अनुरोध करता हूँ कि वे राज्य सरकार के इन निर्णयों में अपनी दखलंदाजी दें और अपनी तरफ से एक भूमिका दें, राज्य सरकार को निर्देश दें कि बाला साहेब ठाकरे जी की सुरक्षा को रिव्यू करने के नाम पर किसी भी तरह से गलत डिजीज़न न लिए जाएं वरना कभी भी एक गंभीर प्रतिक्रिया हो सकती है। मैं माननीय गृह मंत्री जी से अनुरोध करता हूँ कि वे अपनी तरफ से मेरे इस गंभीर प्रश्न पर अपनी प्रतिक्रिया दें।

श्री राघवजी (मध्य प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, श्री संजय निरूपम जी ने जो मामला उठाया है, वह बहुत महत्वपूर्ण मामला है क्योंकि श्री बाला साहेब ठाकरे केवल महाराष्ट्र के ही प्रमुख व्यक्ति नहीं हैं, इस देश के प्रमुख व्यक्ति हैं, एक राजनीतिक दल के तो वह मुखिया ही हैं और उनके जीवन की सुरक्षा के लिए जो चिंता होनी चाहिए, उसके लिए हम सब श्री संजय निरूपम के साथ ऐसोसिएट करते हैं कि उनके जीवन की सुरक्षा की पूरी चिंता होनी चाहिए ताकि राजनीतिक कारणों से किसी के जीवन को खतरा पैदा न हो और यदि ऐसा कोई प्रयास किया जाता है किसी

भी तरफ से और यदि किसी के जीवन की सुरक्षा के प्रति खतरे का किसी को कोई अंदेशा है तो उसके लिए पूरी व्यवस्था होनी चाहिए ।

मैं, श्री संजय निरूपम जी ने जो मामला उठाया है, उससे अपने आपको पूरी तरह से एसोसिएट करता हूँ।

गृह मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी): उपसभाध्यक्ष महोदय, आज वैसे एस.पी.जी. अमेंडमेंट बिल पर जब चर्चा होगी तो वी.आई.पी. सिक्युरिटी के संदर्भ में जो बातें मुझे कहनी होंगी, मैं कहूंगा । अभी श्री संजय निरूपम जी ने एक पत्र के समाचार के आधार पर जो टिप्पणी की है, उस बारे में मैं इतना ही कह सकता हूँ कि मैं महाराष्ट्र सरकार से जानकारी करके इस बारे में जो भी आवश्यक होगा, उनको मैं कहूंगा, सलाह दूंगा क्योंकि मुख्य रूप से निर्णय करना सभी प्रदेश सरकारों का काम होता है । अगर कोई ऐसी स्थिति आती है तो केन्द्र की ओर से सलाह दी जाती है, सुझाव दिया जाता है और यह बात जो उन्होंने कही है, अगर वह सही है तो उपयुक्त सलाह दी जाएगी। जहां तक एस.पी.जी. बिल का सवाल है, उस पर हम चर्चा करेंगे । तो कुल मिलाकर आंतरिक सुरक्षा के संदर्भ में और प्रमुख राजनेताओं की सुरक्षा के संदर्भ में मुझे जो कुछ बातें कहनी होंगी, वह मैं बिल पर चर्चा के दौरान कहूंगा।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): The next is the Special Protection Group (Amendment) Bill, 1999.

SHRI VAYALAR RAVI (Kerala) : Sir, I have given a notice. Sir, I come from a State of hundred per cent literacy. It is a sad and sorry affair in that State that in one district political scores are settled by killing each other. One is a ruling party in Delhi and one is a ruling party in the State. Sir, I am only appealing to all the political groups and the political parties to stop this killing and make the people live in peace in Coonoor District. I am not making any allegation, but this butchering each other should be stopped. Ladies are not safe, children are not safe. A person can kill the children in a classroom! I am only appealing to the national leadership of these political parties to come to an understanding and save Kerala from this kind of a civil war atmosphere. Thank you, Sir.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ADHIK SHIRODKAR): I am confident your appeal will be heeded to.